रेलवे बोर्ड गोरखपुर शिक्षक परीक्षा - 2021

विषय - संस्कृत　　　　　　　　　　समय - 90 मिनट

निर्देश — 1- प्रश्नपत्र में कुल 110 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है। मूल्यांकन मात्र 100 प्रश्न का होगा।

2- 10 प्रश्न राजभाषा (हिन्दी) के हैं, जिन्हें हल करना अनिवार्य नहीं है।

3- गलत उत्तर के लिए प्रति प्रश्न 1/3 अंको की कटौती की जाएगी।

4- कोविड -19 सावधानी व बचाव हेतु निर्धारित सामग्री साथ लेकर आए।

हिन्दी

01 'अभिशाप' शब्द में उपसर्ग है—

(क) अति (ख) अधि (ग) अभि (घ) अपि

02- 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द है—

(क) तरणि (ख) भानु (ग) रजनीश (घ) कृशानु

03- 'यथाशीघ्र' में समास है—

(क) द्वन्द्व (ख) अव्ययीभाव (ग) द्विगु (घ) कर्मधारय

04- 'आचार' का विलोम शब्द है—

(क) अनाचार (ख) भ्रष्टाचार (ग) अत्याचार (घ) विचार

05- 'रमेश' में सन्धि है—

(क) स्वर (ख) व्यञ्जन (ग) विसर्ग (घ) अयादि

06- 'गेहूँ' का तत्सम शब्द है—

(क) गोहूँ (ख) गोधूम (ग) गाहूँ (घ) धान्य

07- वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द है—

(क) उज्वल (ख) उज्जवल (ग) उजवल (घ) उज्ज्वल

08- 'जिसका जन्म बाद में हुआ हो' उसे कहते है —

(क) सर्वज्ञ (ख) सुविज्ञ (ग) अनुज (घ) अग्रज

09- 'भानूदय' का सन्धि विच्छेद होगा —

(क) भानु + उदय (ख) भानू + उदय (ग) भानु + ऊदय (घ) भान + उद

10- परीक्षा, प्रश्न, त्रुटि शब्द के बहुवचन रूप होंगे —

(क)- परीक्षाए, प्रश्नो, त्रुटियों

(ख) परीक्षाओं, प्रश्नों, त्रुटियों

(ग) परीक्षाएं, प्रश्न, त्रुटियाँ

(घ) परीक्षायें, प्रश्न, त्रुटियों

संस्कृत

- 'मनोरथः' का सन्धि विग्रह है -

(क) मन + उरथ (ख) मनस् + रथः (ग) मनो + रथ (घ) इनमें से कोई नहीं

12- हरेडव में हुआ है -

(क) यण (ख) गुण (ग) पररूप (घ) पूर्वरूप

13 माहेश्वर सूत्रों की संख्या है -

(क) 14 (ख) - 16 (ग) 15 (घ) 13

14- स्वरों को कहते हैं -

(क) अल् (ख) इक् (ग) अच् (घ) अण्

15 'स्वर' है -

(क) ओ (ख) - ग (ग) - च (घ) ष

16- 'सवर्ण संज्ञा' विधायक सूत्र है -

(क) तच्च ते:

(ख) अचा: स्वरा:

(ग) अकः सवर्णे दीर्घः

(घ) इनमे से कोई नहीं

17 'हलन्त्यम्' सूत्र किन वर्णों की इत्संज्ञा करता है -

(क) अच् की (ख) स्वर युक्त व्यञ्जनों की

(ग) अन्तिम हल वर्ण की (घ) अच् और हल् दोनों की

②

18- अ, ए, ओ वर्णों की संज्ञा होती है –

(क) अप्रक्त (ख) गुण (ग) सर्वनाम (घ) उपसर्ग

19- वृद्धि संज्ञा किन वर्णों की होती है –

(क) आ, ऐ, औ (ख) अ, इ, उ (ग) य, र, ल (घ) च, छ, ज

20- नदी संज्ञा विधायक सूत्र है –

(क) अचोऽन्त्यादि (ख) यूस्त्र्याख्यौ नदी (ग) नदीभिश्च (घ) अदेङ्

21 'विरामोऽवसानम्' सूत्र में संज्ञा होती है –

(क) अवसान (ख) घि (ग) अभ्यास (घ) धातु

22- क वर्ग के वर्णों का उच्चारण स्थान है –

(क) दन्त (ख) कण्ठ (ग) ओष्ठ (घ) तालु

23 'ऊष्म' वर्ण कहते हैं –

(क) अ, इ, उ, ऋ (ख) इ, उ, ऋ, लृ (ग) य, व, र, ल, (घ) श, ष, स, ह

24- 'लोप संज्ञा' विधायक सूत्र है –

(क) तस्य लोपः

(ख) हलन्त्यम्

(ग) न वेति

(घ) अदर्शनं लोपः

25. दीर्घ स्वर नहीं है —

(क) ओ, औ (ख) आ, ई, ऊ (ग) ऋ, ए, ऐ (घ) अ, इ, लृ

26 माहेश्वर सूत्रों में कौन सा वर्ण दो बार है —

(क) - क (ख) ह (ग) अ (घ) - ल

27 व्याकरण के त्रिमुनि के अन्तर्गत नहीं गिने जाते हैं —

(क) पाणिनि (ख) वरदराज (ग) कात्यायन (घ) पतंजलि

28 क्रिया के योग में 'प्र' आदि होते हैं —

(क) उपसर्ग (ख) गति संज्ञक (ग) - क और ख दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

29- यण प्रत्याहार के अन्तर्गत आते हैं —

(क) य, व, र, ल (ख) य् र् ल् श् (ग) ह्, य्, व्, र् (घ) श्, ष्, स्, ह्

30- दीर्घ सन्धि का सूत्र है —

(क) दीर्घं च (ख) अकः सवर्णे दीर्घः (ग) दीर्घ इणः किति (घ) दीर्घाः

31- 'नायकः' में सन्धि है —

(क) गुण (ख) यण (ग) वृद्धि (घ) अयादि

32- 'यूपदारु' में समास है —

(क) बहुव्रीहि (ख) तत्पुरुष (ग) द्विगु (घ) द्वन्द्व

33- समास होता है —

(क) सुबन्तो का (ख) तिङन्तो का (ग) प्रत्ययों का (घ) सभी का

34- समास कहते है -
(क) संक्षेप (ख) विक्षेप (ग) आक्षेप (घ) पराक्षेप

35- 'जटाभिः तापसः' में 'जटा' में किस सूत्र से तृतीया विभक्ति हुई
(क) हेतौ (ख) अपवर्गे तृतीया (ग) इत्थंभूतलक्षणे (घ) येनाङ्गविक

36- कालिदास की रचना है -
(क) रघुवंशम् (ख) कादम्बरी (ग) रत्नावली (घ) किरातार्जुनीयम्

37 अभिज्ञानशाकुन्तलम् में कुल अंको की संख्या है —
(क) 3 (ख) - 4 (ग) - 6 (घ) - 7

38 मेघदूत में प्रयुक्त छन्द है —
(क) वंशस्थ (ख) आर्या (ग) मन्दाक्रान्ता (घ) शिखरिणी

39 नब्बे (90) का संस्कृत में शब्दात्मक रूप होगा -
(क) नवतिः (ख) नाविती: (ग) नवतः (घ) नवीतिः

40 निम्न में से कौन सा काव्य लघुत्रयी के अन्तर्गत नहीं आता
(क) रघुवंशम् (ख) कुमारसम्भवम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) मेघदूत

41- उत्तररामचरितम् में किस रस की प्रधानता है?
(क) वीर (ख) करुण (ग) भयानक (घ) श्रृंगार

42- 'गो' शब्द का द्वितीया विभक्ति बहुवचन का रूप है। —
(क) गावः (ख) गाः (ग) गौः (घ) गोः

43 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य में कितने सर्ग है –
(क) 20 (ख) 22 (ग) 18 (घ) 24

44 भर्तृहरि ने कुल कितने शतकों की रचना की है –
(क) - 4 (ख) - 5 (ग) - 6 (घ) - 3

45- 'नीतिशतक' रचना है –
(क) भर्तृहरि (ख) कालिदास (ग) भारवि (घ) विष्णु-पाद

46- 'फल' शब्द का चतुर्थी एकवचन का रूप होगा –
(क) फलं (ख) फले (ग) फलाय (घ) फलेन

47- युष्मद् शब्द का षष्ठी द्विवचन का रूप है –
(क) स: (ख) ते (ग) व: (घ) वाँ

48- पठ् धातु लोट् लकार, उत्तमपुरुष द्विवचन का रूप होगा –
(क) पठाव (ख) पठतु (ग) पठानि (घ) पठताम्

49- नाटक का नायक होता है –
(क) धीरोद्धत (ख) धीरोदात्त (ग) धीरप्रशान्त (घ) धीरललित

50- शकुन्तला-दुष्यन्त के पुत्र का नाम है –
(क) कुश (ख) दत्तक (ग) दमन (घ) सर्वदमन

51- कादम्बरी के रचयिता है –
(क) भवभूति (ख) बाणभट्ट (ग) भारवि (घ) श्री हर्ष

52- मेघदूत में यक्ष को किसने शाप दिया था —

(क) कुबेर (ख) मेघ (ग) इन्द्र ने (घ) शिव ने

53- मेघदूत किस श्रेणी का काव्य है —

(क) महाकाव्य (ख) नाटिका (ग) खण्डकाव्य (घ) नाटक

54- संस्कृत व्याकरण में लकार होते हैं —

(क) - 15 (ख) - 10 (ग) - 12 (घ) - 20

55- मंगलाचरण कितने प्रकार का होता है। —

(क) 1 (ख) - 2 (ग) - 4 (घ) - 3

56 येनाङ्ग विकारः सूत्र का उदाहरण है —

(क) पादेन खञ्जः (ख) हरये नमः (ग) दण्डेन घटः (घ) जटाभिः तापसः

57- रामायण की रचना की —

(क) तुलसीदास (ख) सूरदास (ग) कालिदास (घ) वाल्मीकि

58- महाभारत में पर्व हैं —

(क) - 18 (ख) - 20 (ग) 24 (घ) - 25

59- पुराणों की संख्या है —

(क) एकादश (ख) अष्टादश (ग) द्वादश (घ) पञ्चदश

60- नीतिशतक के अनुसार मनुष्य का आभूषण है —

(क) - सत्य (ख) स्वर्ण (ग) मुकुट (घ) अंगूठी

61- अधोलिखित श्लोक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तरों में से समुचित उत्तर चुनकर लिखिए—

भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमै-
नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः ।
अनुद्धतास्सत्पुरुषास्समृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ॥

फलोद्गम के समय नम्र होते है—
(क) दरवः (ख) गुरवः (ग) तरवः (घ) शरवः

62 समृद्धि से कौन उद्धत नहीं होते है—
(क) मेघाः (ख) चटकः (ग) तरवः (घ) सत्पुरुषाः

63- इस पद्य में छन्द है—
(क) वंशस्थ (ख) शार्दूलविक्रीडित (ग) आर्या (घ) शिखरिणी

64- इस पद्य में अलङ्कार है—
(क) उपमा (ख) श्लेष (ग) रूपक (घ) यमक

65 जिस क्रिया का वाच्य कर्म हो उसे कहते है—
(क) भाववाच्य (ख) कर्मवाच्य (ग) कर्तृवाच्य (घ) तीनों

66- नाम के बाद आने वाले प्रत्यय है—
(क) तद्धित (ख) कृदन्त (ग) सुबन्त (घ) तिङन्त

(8)

67 बृहत्त्रयी में नहीं आता है—

(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम् (ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवं

68 'किरातार्जुनीयम्' के कर्त्ता हैं—

(क) कालिदास (ख) भारवि (ग) माघ (घ) राजशेखर

69- शिवराजविजयम् के लेखक हैं—

(क) आम्बिकादत्त व्यास (ख) वेदव्यास (ग) कल्हण (घ) मयूर

70- विद्या विहीन है—

(क) गौ (ख) पशु (ग) वानर (घ) अश्व

71- 'उत्तररामचरितम्' के रचयिता हैं—

(क) तुलसीदास (ख) भारवि (ग) भवभूति (घ) वाल्मीकि

72- किरातार्जुनीयम् में गुप्तचर किस वेष में हस्तिनापुर जाता है—

(क) स्त्री (ख) सैनिक (ग) दास (घ) ब्रह्मचारी

73 गुप्तचर हस्तिनापुर से लौटकर युधिष्ठिर से कहाँ मिला—

(क) द्वैतवन में (ख) गुप्तवन में (ग) मधुवन में (घ) कदलीवन में

74- सुलभ कोप महर्षि हैं—

(क) नारद (ख) दुर्वासा (ग) कण्व (घ) कश्यप

75 छोटी-से छोटी व्यक्त .... खण्ड ध्वनि को कहते हैं—

(क) शब्द (ख) वाक्य (ग) वर्ण (घ) पद

76 'राम' शब्द का षष्ठी बहुवचन का रूप होगा –
(क) रामेषु (ख) रामैः (ग) रामम् (घ) रामाणाम्

77 – 'एका क्रिया द्वयर्थकरी प्रसिद्धा' का अर्थ है –
(क) एक पन्थ दो काज (ख) दो प्रयोजन सिद्ध होना
(ग) एक काम ही प्रसिद्ध (घ) आप का भला हो

78 – अशुद्ध वाक्य है –
(क) मातरि साधुः (ख) नमस्करोति देवाय
(ग) नमः गणपति (घ) मातरि निलीयते कृपणः

79 – 'रामेण बाणेन हतो बालि' इस वाक्य में रामेण है –
(क) अधिकरण कारक (ख) कर्मकारक (ग) कर्ताकारक (घ) करण कारक

80 – उत्तररामचरितम् में कितने अंक हैं –
(क) – 7 (ख) – 8 (ग) – 9 (घ) – 10

81 – कालिदास का वैशिष्ट्य है –
(क) पदलालित्य (ख) अर्थगौरव (ग) उपमा (घ) सभी

82 अधोलिखित में से अव्ययीभाव समास है –

(क) कष्टेन भीतः (ख) भयापन्नः (ग) सुखप्राप्तः (घ) यथाकायम्

83 - 'वैदर्भी रीति' का सर्वश्रेष्ठ कवि है –

(क) भास (ख) कालिदास (ग) माघ (घ) भारवि

84 - यक्ष ने अपने शाप के दिन व्यतीत किए –

(क) रामगिरि पर (ख) कनकगिरि पर

(ग) देवगिरि पर (घ) इनमें से कोई नहीं

85 - कादम्बरी के पिता का नाम है –

(क) चन्द्रापीड (ख) चित्ररथ (ग) तारापीड (घ) कपिंजल

86 भर्तृहरि का व्याकरण ग्रंथ माना जाता है –

(क) वाक्यपदीय (ख) कौमुदी (ग) काशिका (घ) भामती

87 'अर्थगौरव' के लिए विख्यात है –

(क) मयूर (ख) मित्र (ग) भारवि (घ) रवि

88 - शुकनास मंत्री था –

(क) उदयन का (ख) तारापीड का (ग) शूद्रक का (घ) माघ का

89 'नलचम्पू' काव्य लिखा है –

(क) भट्ट ने (ख) बाणभट्ट ने (ग) भूषणभट्ट ने (घ) त्रिविक्रमभट्ट ने

90 — 'नलचम्पू' का कथानक है—

(क) भीष्म पर्व से (ख) वन पर्व से (ग) शान्ति पर्व से (घ) आदि पर्व से

91—चण्डीशतक रचना है—

(क) बाणभट्ट (ख) दण्डी (ग) महिम भट्ट (घ) त्रिविक्रम भट्ट

92— उभयपदी धातु नहीं है—

(क) याच् (ख) तुद् (ग) हृ (घ) पच्

93— 'बुद्धिनाशात्प्रणश्यति'- किस ग्रंथ का सन्दर्भ है—

(क) ऋग्वेद (ख) महाभारत (ग) रामायण (घ) गीता

94— 'साहित्यदर्पण' के रचयिता है—

(क) जगन्नाथ (ख) विश्वनाथ (ग) प्रेमनाथ (घ) श्री नाथ

95— शिशुपालवधम् के प्रथम सर्ग में प्रयुक्त छन्द है—

(क) उपजाति (ख) मालिनी (ग) वंशस्थ (घ) आर्या

96 — मुनि-त्रय में नहीं आते है—

(क) पाणिनि (ख) पतञ्जलि (ग) कात्यायन (घ) भर्तृहरि

97— 'मेरे द्वारा एक महिला देखी गई' का संस्कृत अनुवाद होगा—

(क) मया एकं बालिका दृष्टम्

(ख) मया एका बालिका दृष्य

(ग) अहं एका बालिका दृष्टा:

(घ) मया एकां बालिका दृष्टाम्

(12)

98- अनुनासिक वर्णों का उच्चारण होता है —

(क) मुख से (ख) नासिका से (ग) ओष्ठ से (घ) मुख नासिका से

99 नमः, स्वस्ति, स्वाहा के योग में विभक्ति होती है —

(क) प्रथमा (ख) चतुर्थी (ग) द्वितीया (घ) पञ्चमी

100 - कौन द्वन्द्व समास नहीं है —

(क) रोगमुक्त! (ख) पुत्रपौत्रम् (ग) पितरौ (घ) धर्मार्थ

निर्देश — अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनकर लिखिए —

दिल्लीनगरे तानसेनो नाम प्रख्यातो गायको बभूव। तस्य समकालिकः कोऽपि संङ्गीतवित् तत्समोऽभ्याधिको वा नो श्रूयते स्म! आराद् राजानो धनिनो गायकाश्च दिल्लीमागत्य तस्य संगीतसुधां श्रवणांञ्जलिभिः पायं पायं तृप्यान्ति स्म। धन्यः खलु कलाविलासिन्यः समुपासनेन सिद्धो जनः।

तानसेनस्योपरि जननेतृणां भूयानभिमानः। स एव राज्ञः अकबरस्य महामात्यो भवेदिति तेषाम् आग्रहः। अतस्तं तदा तदा गायनचक्रवर्तिनो महात्म्यं राज्ञे निवेद्य तस्मै महामंत्रि पदानुग्रहाय निर्बबन्धुः। राजा तु तस्य कलाविशारदीमङ्गीकृत्यापि प्रधानसाचिव्ये तस्य योग्यतां व्यक्तवाचा निराचकार।

राज्ञाऽवमानितास्ते तानसेनस्य महत्त्वम् उपदर्शयितुं संगीतसन्ध्याम् आयोजयामासुः। तदर्थं राजानं नागरांश्च प्रधानानामन्त्रयामासुः। सर्वेषु सामोदं सम्मिलितेषु भगवान् सहस्रकिरणः स्वांशुजालमुपसंहरन्नरसिक इव प्रतीच्यां क्वापि लीनः। तदा तानसेनः सर्वत्र गाढान्धकारं प्रसरन्तं लक्षयन्दीपकरागमारेभे, येन स्वयमेव दीपा दीपिताः। सर्वे विस्मिताश्चित्रवदुपाविविशुः। किन्तु हन्त! ग्रीष्मकाले तस्मिन् जनसम्मर्दश्वासिष्ठायां सभायां दीपेषु प्रज्ज्वलितेषु सर्वेषायं स्विन्नगात्रास्तेषु। इयमालक्ष्य महानुभावो गायको मल्हाराभिधं रागविशेषं जगौ। अहो! आचिरादेव शीतलाः शीकराः सर्वानाप्याययन्ति स्म।

कार्यक्रमस्यान्ते जननायकः कश्चित् तानसेनस्य सामर्थ्यं सभासदां सभेषां हर्षध्वनिभिः सह प्रशशंस, तस्मात् एव महामन्त्रिपदप्रदानाय च राजानं प्रार्थयामास। राजा तस्य संगीतकलायाम् अद्वितीयतां असकृत तुष्टाव। किन्तु प्रधान सचिव पदे सन्तं बीरबलं त्यक्तुं नास्ति कारणम् इत्युक्त्वा सभ्याशयानुरोधेन बीरबल - तानसेनयोः परीक्षां कारयिष्ये इत्युपसञ्जहार।

101 - तानसेन कौन था —

(क) प्रख्यात गायक (ख) सेनापति (ग) प्रसिद्ध राजा (घ) जननायक

102 - किसे अकबर का मंत्री बनाने का लोगों ने आग्रह किया —

(क) जहाँगीर को (ख) अब्दुल को (ग) तानसेन को (घ) बीरबल को

103 - संगीत सन्ध्या का आयोजन क्यों हुआ —
(क) लोगों को इकट्ठा करने के लिए
(ख) अकबर का सम्मान करने के लिए
(ग) बीरबल का उपहास करने के लिए
(घ) तानसेन का महत्व प्रदर्शित करने के लिए

104 - किसके 'राग' से दीपक जल उठते थे —
(क) दीपक राग से (ख) विराग से (ग) अनुराग से (घ) पद्मराग से

105 - दीपकों के जलने से क्या हुआ —
(क) लोग विस्मित हो गए
(ख) डर गये
(ग) प्रसन्न हो गए
(घ) रोने लगे

106 - किन दोनों की परीक्षा करने के लिए अकबर ने निर्णय लिया —
(क) स्त्री-पुरुष की (ख) गज-सिंह की
(ग) बीरबल-तानसेन की (घ) दीपक-मल्हार की

107 सहस्रकिरण कौन था —
(क) राजा (ख) दीपक (ग) चन्द्र (घ) सूर्य

108 - 'अचिरात्' शब्द का विलोम होगा —
(क) सर्वान् (ख) चिरात् (ग) जननायक : (घ) सर्वत्र

109- 'देशसञ्चारः' इस शब्द में समास है —

(क) तत्पुरुष (ख) द्वन्द्व (ग) कर्मधारय (घ) द्विगु

110 - आरात् शब्द है —

(क) उपसर्ग (ख) अव्यय (ग) नामपद (घ) क्रियापद